

# डॉ. डेव मैथ्यूसन, रहस्योद्घाटन, व्याख्यान 23, प्रकाशितवाक्य 17:7-18:8 जानवर की व्याख्या और बेबीलोन का पतन

© 2024 डेव मैथ्यूसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक पर अपने पाठ्यक्रम में डॉ. डेव मैथ्यूसन हैं। यह सत्र 23, प्रकाशितवाक्य 17:7-18:8 है, जानवर और बेबीलोन के पतन की व्याख्या।

इससे पहले कि हम आगे बढ़ें, मैं पुराने नियम के एक पाठ पर लौटना चाहता हूँ।

यह यशायाह अध्याय 21 और पद 1 था जिसमें बेबीलोन को एक रेगिस्तान से जुड़े हुए के रूप में चित्रित किया गया था। तो यह यहां अध्याय 17 में जॉन के दर्शन की पृष्ठभूमि का एक हिस्सा प्रदान कर सकता है। और फिर इसी तरह, जब बेबीलोन को सभी वेश्याओं की मां कहा जाता है, तो कल्पना यह भी बता सकती है कि वह दूसरों में, अन्य देशों में इन चीजों का उत्पादन करती है, और वे जिन्हें वह लुभाती है, साथ ही पृथ्वी की घृणित वस्तुएँ भी।

फिर से, राष्ट्रों की मूर्तिपूजक प्रथाओं के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को याद करते हुए जिसे वह अब उनमें दोहराती है। अब, श्लोक 7 में, जॉन पूर्ण आश्चर्य के साथ उत्तर देता है। उसकी प्रतिक्रिया में कुछ धारणाएँ शामिल हो सकती हैं।

उनमें से एक वह जो देखता है उसके कारण डर हो सकता है। देवदूत की प्रतिक्रिया को देखते हुए जब वह कहता है, आप आश्चर्यचकित क्यों हैं? मैं इस रहस्य को समझाऊंगा. शायद यह भी उलझन और आश्चर्य की बात है कि उसने दुनिया में क्या देखा और इसे कैसे समझा जाए।

यह भी हो सकता है कि जॉन को स्वयं यह दृश्य आकर्षक लगा हो और उसने जो देखा उसकी सुंदरता और आकर्षण से वह एक तरह से चौंक गया हो। अब, स्वर्गदूत उसके आश्चर्य, विस्मय और शायद आकर्षण का जवाब श्लोक 8 से शुरू करके देगा, वास्तव में यहाँ श्लोक 7 से शुरू करेगा। वह ठीक वही वर्णन करने जा रहा है जो जॉन ने देखा था, दृष्टि के हर एक विवरण को ध्यान में न रखते हुए। पहले छह छंद लेकिन दृष्टि की अधिकांश विशेषताओं को लेते हुए और अब उन्हें खोलना शुरू कर रहे हैं। दर्शन के बारे में ध्यान देने वाली पहली दिलचस्प बात यह है कि जॉन इस खंड में चार बार, या मुझे खेद है, तीन बार बहुत ही दिलचस्प भाषा में जानवर का वर्णन करके शुरू करता है।

यहाँ, इस श्लोक में दो बार और फिर बाद में श्लोक 11 में, जॉन जानवर की भाषा का उपयोग करेगा, था, नहीं है, और आ रहा है। यह संभवतः उस तरीके के सीधे विपरीत और एक पैरोडी के रूप में है जिस तरह अध्याय 1 में श्लोक 8, अध्याय 4 में श्लोक 8, और अध्याय 11 में श्लोक 10 और 14 में भगवान का वर्णन किया गया है, जहां यह केवल दो गुना है। वहां, यह केवल दोगुना था।

आपके पास अध्याय 11 और 14 में नहीं आ रहा है क्योंकि मसीह, भगवान, पहले ही आ चुके हैं। लेकिन 1:8 और 4:8 में हम उसे पाते हैं जो था, जो है, और जो आ रहा है। और अब यह ऐसा है मानो, इसके विपरीत, एक प्रत्यक्ष पैरोडी के रूप में, जानवर का वर्णन उस व्यक्ति के रूप में किया गया है जो था, जो नहीं है, और जो आ रहा है।

तथ्य यह है कि वह शायद प्रकाशितवाक्य 13 का जिक्र नहीं कर रहा है, जहां उसके एक सिर पर मौत का झटका लगा था या मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के कारण उसकी हार हुई और उसे स्वर्ग से बाहर निकाल दिया गया। तो, यह तथ्य कि वह था और यीशु मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के कारण उसकी मृत्यु का झटका और उसके फैसले और हार का सुझाव नहीं देता है। लेकिन हमने अध्याय 13 में देखा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित थी क्योंकि वह स्पष्ट रूप से उस पर काबू पाने और जीवित रहने में सक्षम था।

हालाँकि, दूसरी विशेषता यह है कि वह आ रहा है, जो संभवतः प्रकाशितवाक्य में मसीह के आने और भविष्य में भगवान के आने के सभी संदर्भों के विपरीत है। अब शैतान आ रहा है, लेकिन विडंबना यह है कि वह अंदर जाने के लिए आ रहा है; वह रसातल से बाहर आता है, परन्तु विनाश में जाने के लिये। इसलिए, भगवान और मेमे के आगमन के विपरीत, जिसके परिणामस्वरूप मुक्ति मिलती है, भगवान के जानवर के आगमन की स्थापना का परिणाम उसके विनाश में होता है, जिसे हम बाद में अध्याय 19 में देखेंगे।

तो, इसका मतलब स्पष्ट रूप से जानवर के अस्तित्व को भगवान और मेमे के अस्तित्व से अलग करना है। यह मेमे या जानवर के रसातल से बाहर आने और विनाश की ओर जाने का विचार भी हो सकता है; यह उस रूपांकन को भी प्रतिबिंबित कर सकता है जिसे आप सर्वनाश साहित्य में पाते हैं, विशेष रूप से हनोक साहित्य में, राक्षसी प्राणियों के पहले और दूसरे हनोक जिन्हें कुछ समय के लिए जेल में बंद कर दिया जाता है और उन्हें उनके फैसले के लिए बाहर जाने दिया जाता है। और यह निश्चित रूप से यहां फिट होगा, कि जानवर के रसातल से बाहर आने का उद्देश्य यह है कि वह रसातल में बंद है, और अब वह अपने विनाश के लिए और अपने न्याय के लिए बाहर आता है।

तो मैं इसे तब मानूंगा जब इस रूपांकन या इस शीर्षक के अगले दो उल्लेखों में, जो था और नहीं है और आ रहा है, जो आ रहा है उसे समझा जाएगा कि वह विनाश में जाने के लिए आ रहा है। और यह उसके स्वभाव के कारण है, क्योंकि वह था और नहीं है, परन्तु अब प्रत्यक्षतः आ रहा है, इसी कारण से जातियां धोखा खाती हैं। कुछ ने यह सुझाव दिया है, वह नहीं है और आ रहा है।

कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह नीरो के मिथक को दर्शाता है, कि उसकी मृत्यु को लेकर सभी प्रकार की अनिश्चितता थी। कुछ लोगों ने यह भी सोचा कि वह वास्तव में मरा नहीं था और वह वापस आकर अपना सिंहासन पुनः प्राप्त करने वाला था। और कुछ का सुझाव है कि इस शीर्षक के पीछे क्या छिपा है।

यह संभव है; जो पृष्ठभूमि प्रदान कर सकता है। लेकिन स्पष्ट रूप से जॉन की प्राथमिक प्रेरणा ईश्वरीय नाम के साथ तुलना करना है, जो था, जो था, जो है, और जो आ रहा है। अब, शैतान या जानवर के अस्तित्व को समान दृष्टि से देखा जाता है।

फिर, वह एक घटिया पैरोडी है, और जब वह इसके बजाय अपनी हार नहीं दिखा रहा है। और जब वह आयेगा तो विनाश में जाने के लिये आयेगा। तो इस प्रकार जॉन उस जानवर का वर्णन करता है, उसका वर्णन करता है या देवदूत जॉन का वर्णन करता है, वह जानवर जिसे उसने भगवान और मेमने के अस्तित्व की नकल के रूप में देखा था, लेकिन शैतान के लिए, जानवर के लिए, जिसका परिणाम उसके दण्ड और विनाश, जिसका वर्णन अध्याय 19 में मिलेगा।

अब, शायद इसका सबसे पेचीदा हिस्सा वह है जो स्वर्गदूत जानवर के सात सिरों के साथ करता है। इस जानवर के सात सिर और 10 सींग बताए गए हैं। देवदूत अब हमारे लिए उन सात सिरों और 10 सींगों की व्याख्या करने जा रहा है।

और यहीं पर यह थोड़ा मुश्किल हो जाता है। सात सींगों और सात सिरों की दो तरह से व्याख्या की गई है। और यह है, सर्वनाश में यह असामान्य नहीं होगा कि एक छवि के एक से अधिक अर्थ हो सकते हैं।

इसलिए हमें यहां असंगतता या एक से अधिक स्रोत या ऐसा कुछ देखने की आवश्यकता नहीं है। यह संभव है कि सर्वनाशकारी छवि में एक छवि में एक से अधिक अर्थ हो सकते हैं। तो स्वर्गदूत कहता है कि सात सिर सात पहाड़ियाँ हैं जो रोम के साथ जानवर की पहचान करती हैं, और महिला सवारी करती है, उस पर बैठी है, उस महिला की पहचान करती है जो रोम के रूप में है, लेकिन सात सिर भी सात राजा हैं या सात शासक।

और देवदूत कहता है कि इन सातों में से पांच पहले ही शासन कर चुके हैं और गिर चुके हैं। यानी नियम खत्म हो गया. एक वर्तमान में शासन कर रहा है।

उनका कहना है कि पांच गिर गए हैं. एक है, और एक आने वाला है। तो, पाँच पहले ही गिर चुके हैं।

एक अभी है, और एक अभी आना बाकी है। अब, यदि हम इन सात प्रमुखों को सात राजाओं के रूप में लेते हैं और सात राजा सात सम्राट हैं, रोम के सात राजा सात सम्राट हैं, तो कुछ ने कहा है कि ये सात राज्य हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हमें शायद इन्हें सात शासकों या सात राजाओं के रूप में लेना चाहिए, यानी रोमन साम्राज्य पर सम्राट।

तो फिर सवाल यह है कि हम इन्हें कैसे पहचानें? कुछ लोगों ने रोम की तिथि ज्ञात करने के लिए इस पाठ का उपयोग किया है। यानी अगर हम पहचान सकें कि वह कौन है, जब जॉन कहता है कि पांच गिर गए थे, तो एक है, और अगर हम पहचान सकें कि वह कौन है, तो इससे हमें यह पता चल जाएगा कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक कब लिखी गई थी, शायद। हालाँकि, समस्या यह है कि जब आप सम्राटों की सूची को देखना शुरू करते हैं, उदाहरण के लिए, मान लेते हैं कि हम

शुरू करते हैं, उदाहरण के लिए, मान लेते हैं कि हम इस विचार पर कायम हैं कि प्रकाशितवाक्य शायद डोमिनियन के तहत लिखा गया था।

कठिनाई यह है कि यदि आप पहले सम्राट जूलियस सीज़र से शुरू करते हैं, और डोमिनियन सहित सूची पर काम करते हैं, तो आपके पास बारह सम्राट हैं। और इसलिए, यदि आप सात से गुजरते हैं, तो आप डोमिनियन से कम हो जाते हैं। और वास्तव में, किसी भी तारीख पर पहुंचने के लिए, आपको बारह लोगों की सूची के साथ जिमनास्टिक करना होगा या अपना रास्ता समझाना होगा।

डोमिनियन के बाद और भी बहुत कुछ है, लेकिन डोमिनियन है, बाद की तारीख के बारे में भी कुछ सुझाव दिए गए हैं। लेकिन चूंकि डोमिनियन सबसे आम तारीख है, इसलिए मैं वहां रुक रहा हूं। लेकिन आपके पास काम करने के लिए बारह सम्राट हैं।

और सवाल यह है कि इन सात में से, यह उन बारह में से किसका उल्लेख कर सकता है? और यह निर्धारित कर सकता है कि हम इसकी तारीख कब तय करेंगे। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि हम जूलियस सीज़र से शुरुआत न करें, लेकिन हम, अलग-अलग कारणों से, थोड़ा बाद में शुरू करते हैं। हम पहले ही देख चुके हैं कि 68 और 69 ई. में तीन सम्राटों ने एक के बाद एक शासन किया।

और उन्हें राजगद्दी से उतार दिया गया। और कुछ ने सुझाव दिया है कि हम उन्हें सूची में बनाए रखें। कुछ लोगों का सुझाव है कि हमें इसे छोड़ देना चाहिए क्योंकि कम समय के कारण जॉन ने उन्हें सात के हिस्से के रूप में गिनने के बारे में नहीं सोचा होगा।

इसलिए, सभी प्रकार के सुझाव आए हैं कि हम सम्राटों की गिनती कहां से शुरू करें और सात की इस सूची में किसे शामिल करें। मुझे लगता है कि इस सूची को प्रतीकात्मक रूप में लेना बेहतर है। अर्थात्, हम पहले ही नोट कर चुके हैं कि पूर्णता और पूर्णता के लिए संख्या सात का उपयोग कितनी बार किया जाता है।

इसलिए मुझे लगता है कि जॉन संदर्भित न करने के लिए सात का उपयोग करता है; आइए मान लें कि यह डोमिनियन के समय में लिखा गया था। मुझे नहीं लगता कि जॉन किसी सात विशिष्ट शाब्दिक सम्राटों को संदर्भित करने के लिए सात का उपयोग कर रहा है, बल्कि सात शाब्दिक विशिष्ट सम्राटों के बजाय रोम के सम्राटों की पूरी संख्या और पूर्ण शासन का सुझाव दे रहा है, जो उसके मन में हैं। तो, रोम के सभी सम्राटों को देखते हुए, शायद उससे भी परे, ठीक है, स्पष्ट रूप से परे क्योंकि अभी भी एक आना बाकी है। यदि डोमिनियन है, और मैं इस पर बहुत अधिक जोर नहीं देना चाहता, लेकिन यदि डोमिनियन ही वह है जो है, तो जो अभी आना बाकी है, वह फिर से सातवां है।

जॉन उन सभी सम्राटों को देख रहा है जो रोम पर शासन करेंगे, जो संख्या सात द्वारा उनके पूर्ण शासन का प्रतीक है। अब, उनका क्या मतलब है जब वह कहते हैं कि पांच गिर गए हैं, एक गिर गया है, और एक आने वाला है? सबसे पहले, मुझे लगता है कि यह ईश्वर पर लागू फार्मूले की एक

और विडंबनापूर्ण पुनरावृत्ति है, जो था, जो है, और जो आने वाला है। अब पांच गिर गये, एक है, और एक आ रहा है।

इसलिए उन्होंने न केवल जानवर को चित्रित किया है, बल्कि उन्होंने रोमन साम्राज्य और उसके सम्राटों के संपूर्ण अस्तित्व और जीवन को एक बार फिर ईश्वर के अस्तित्व की नकल के रूप में चित्रित किया है, जो था, जो है और जो है आ रहा। तो, यह भाषा आंशिक रूप से उस दिव्य उपाधि को प्रतिबिंबित करने के लिए है। और यह कि न केवल जानवर, बल्कि रोमन साम्राज्य, रोम का जीवन, रोमन साम्राज्यों का विस्तार, दोहराता है और नकल करता है और रोम के अस्तित्व की नकल है, भगवान का अस्तित्व जो था, जो है और जो है उसमें प्रतिबिंबित होता है आ रहा।

इसके अलावा, मुझे लगता है कि पाँच गिर गए हैं, एक गिर गया है, और एक आने वाला है, की यह भाषा केवल यह प्रदर्शित करने के लिए है कि बुराई अपना काम कर रही है और यह टिकेगी नहीं। कि रोम का अधिकांश शासन समाप्त हो चुका है, और उसका शासन थोड़े समय के लिए ही रहेगा, इससे पहले कि ईश्वर आकर रोमन साम्राज्य का न्याय करे, ईश्वर इसे समाप्त कर देगा। इसलिए जब वह कहते हैं कि पांच गिर गए हैं, एक है, एक आना है, तो यह केवल यह दिखाने के लिए है कि यह हमेशा के लिए नहीं रहेगा।

रोमन साम्राज्य हमेशा के लिए नहीं रहेगा, लेकिन आखिरी, और वास्तव में, आखिरी दो, एक जो है और एक जो आने वाला है, पहले पांच की तरह ही गिर जाएंगे। इसलिए हमारा उद्देश्य यह कहकर सात शाब्दिक शासकों को जोड़ना और उनका पता लगाना नहीं है कि पांच पहले ही गिर चुके हैं। रोम का अधिकांश दुष्ट शासन पहले ही हो चुका है, और इसे अभी थोड़े समय तक चलना है, लेकिन वे भी, अन्य शासक, पहले पांच की तरह ही गिर जायेंगे।

अब, दिलचस्प बात यह है कि इस सब के संबंध में जानवर का वर्णन कैसे किया गया है। और आप सर्वनाशकारी प्रतीकवाद को चलते हुए देख सकते हैं। शासक वास्तव में जानवर का सिर हैं।

लेकिन अब ध्यान दें कि श्लोक 11 में जानवर का वर्णन कैसे किया गया है। वह जानवर जो पहले था, और अब नहीं है, और वह आठवां राजा है। वह सातों में से है और वह अपने विनाश की ओर जा रहा है।

तो यह दिलचस्प है कि जानवर सात सिरों से जुड़ा है, जो सात सम्राट या शासक हैं, फिर भी जानवर आठवें का प्रतिनिधित्व करता प्रतीत होता है। मुझे लगता है कि यह सबसे अधिक संभावना यह सुझा रहा है कि भविष्य में इतिहास के बिल्कुल अंत में जानवर का आगमन होगा। वही जानवर जो सातों को प्रेरित करता है, दूसरे शब्दों में, रोमन साम्राज्य का पूरा विस्तार जो अपना काम करेगा, वह जानवर आठवें के रूप में कार्य करता है जो इतिहास के अंत में आएगा।

परन्तु जब वह ऐसा करेगा, तो वह अपने विनाश की ओर जाएगा। तो इस सबका उद्देश्य केवल पशु के अस्तित्व की प्रकृति को प्रदर्शित करना है, जितना वह अपने सम्राटों के माध्यम से अपने

अधिकार का उपयोग करने में सक्षम है। और भले ही यह इतिहास के अंत में आठवें के रूप में आएगा, रोमन शासन टिकेगा ही नहीं।

यह विनाश की ओर जा रहा है, और यह न्याय की ओर जा रहा है। तो फिर, पाठकों को किस बात का डर है? और अब वे रोम को एक नई रोशनी में देख सकते हैं। अगली विशेषता 10 सींग हैं, जिनकी व्याख्या देवदूत 10 राज्यों के रूप में करता है।

तो सात सिर रोमन शासन के पूरे काल और जानवर वाले सम्राटों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उसके बाद, जानवर इतिहास के अंत में आठवें के रूप में आता है, लेकिन वह विनाश में जायेगा। तो, मानव साम्राज्य और मानव शासन टिकेगा नहीं।

यह अस्थायी है। इसका अंत विनाश में होगा। अब 10 सींग, देवदूत 10 राज्यों के रूप में पहचान करते हैं।

शायद संख्या सात की तरह, हमें इन्हें शाब्दिक रूप में नहीं लेना चाहिए, 10 शाब्दिक साम्राज्य जिन्हें हम मानचित्र पर पहचान सकते हैं, लेकिन 10 पूर्णता का प्रतीक है, 10 एक पूर्ण या पूर्ण संख्या का प्रतीक है अब इसका मतलब राष्ट्रों का प्रतीक है दुनिया जो जानवर के साथ या रोम के साथ शासन करेगी। और फिर, मुझे नहीं लगता कि हमें 10 विशिष्ट लोगों की पहचान करने की कोशिश करनी है, जितना कि हमें उन सभी राष्ट्रों की पूर्णता और पूर्णता को देखना है जो जानवर के साथ मिलीभगत करेंगे। इन्हें संभवतः अध्याय 16 और 14 में पृथ्वी के राजाओं के साथ पहचाना जा सकता है, जो कहते हैं कि शैतान और जानवर और झूठे भविष्यवक्ता को, तीन मंढकों के माध्यम से, अंतिम समय की लड़ाई के लिए इकट्ठा होने के लिए धोखा देने की अनुमति दी गई है।

और वास्तव में, यहाँ बिल्कुल वैसा ही होता है। पशु और पृथ्वी के राष्ट्र एक उद्देश्य के लिए एक साथ आते हैं। और वह मेमे के विरुद्ध संपूर्ण युद्ध में सहयोगी के रूप में है।

लेकिन परिणाम वही होगा जो इस व्याख्या के पहले कई छंदों में पहले ही दर्शाया और भविष्यवाणी किया जा चुका है। और वह यह है कि जानवर विनाश की ओर जा रहा है। और वे राष्ट्र भी ऐसे ही होंगे जो जानवर और रोमन साम्राज्य के साथ मिले हुए हैं।

वे सभी आपस में मिल-जुलकर मेमे के साथ युद्ध करने में सहयोगी बन जायेंगे, परन्तु मेमा उन्हें हरा देगा। तो वास्तव में यहां कोई लड़ाई नहीं होती है। तो एक अर्थ में, और यह अंत समय की लड़ाई का एक और संक्षिप्त संदर्भ है।

अध्याय 16 और श्लोक 14 में, हमें आर्मगेडन की लड़ाई से परिचित कराया गया था, जिसे हमने वहां देखा, आर्मगेडन की लड़ाई, जो अंत समय की लड़ाई का प्रतीक है। यहाँ युद्ध का संक्षेप में वर्णन नहीं किया गया है। मुझे लगता है कि अगर हमें इसे अध्याय 16, 16 में युद्ध के साथ पहचानना है, तो यहां युद्धों का संक्षेप में वर्णन किया गया है, लेकिन यह वास्तव में कोई युद्ध नहीं है।

मेमना बस अपने शत्रुओं को नष्ट और पराजित करता है। एक घंटे की भाषा नोट करें. ऐसा एक घंटे में होता है.

एक घंटा संभवतः समय की एक छोटी सी अवधि का संदर्भ या प्रतीक है। इस व्याख्या की कुछ अन्य दिलचस्प विशेषताएं जो हमें अध्याय 17 के अंत तक ले जाती हैं। सबसे पहले, ध्यान दें कि स्वर्गदूत श्लोक एक और दो से पानी की व्याख्या करता है, वह पानी जिस पर वेश्या बेबीलोन बैठी है।

जल लोगों, राष्ट्रों, बहुसंख्यकों और भाषाओं का प्रतीक है। यह तथ्य कि वह पानी में बैठी है, संभवतः जानवर या महिला के बेबीलोन, सभी देशों पर रोम के अधिकार को इंगित करता है। और हालांकि आगे जो है, वह आश्चर्यजनक है, वह है जानवर और 10 राष्ट्र।

हमने पहले ही जानवर और महिला को अलग होते हुए देखा है, महिला को जानवर की सवारी करते हुए देखा है, जो यह सुझाव दे सकता है कि जानवर बुराई और अराजकता का प्रतीक है और राक्षसी रूप से प्रेरित जानवर और महिला को अलग किया जा रहा है। अब, ऐसा प्रतीत होता है कि जानवर और 10 राष्ट्र वेश्या बेबीलोन, महान शहर पर आक्रमण करेंगे और उसे नष्ट कर देंगे। मुझे लगता है कि यह केवल यह सुझाव दे रहा है कि, विडंबना यह है कि जो लोग उस पर निर्भर थे और यहां तक कि अपनी आर्थिक भलाई और प्रथाओं के लिए उसके साथ मिलीभगत भी करते थे, वे अब उस पर हमला कर रहे हैं और उसे नष्ट कर रहे हैं।

मेरी राय में, बस एक स्तर पर साम्राज्य की आत्म-विनाशकारी प्रकृति, पाप की आत्म-विनाशकारी प्रकृति का संकेत मिलता है, कि कोई भी साम्राज्य जो खुद को भगवान के ऊपर स्थापित करता है, जो दैवीय अधिकार का अहंकार करता है, जो विशिष्ट पूजा और संप्रभुता का दावा करता है केवल ईश्वर के लिए, जो हिंसा के माध्यम से खुद को बनाए रखता है, जो दूसरों को अपने स्वार्थी धन में भाग लेने के लिए बहकाता है, परिणाम आत्म-विनाश है। और इसलिए वह जानवर जिसने इसे शक्ति दी और इसके अधिकार और शक्ति को रेखांकित किया, और अब 10 राष्ट्र जिन्होंने इसके साथ गठबंधन किया था, अब सभी इसे नष्ट करने के लिए आगे आए, जैसा कि मैंने कहा है, शायद आत्म-विनाशकारी प्रकृति का सुझाव दे रहे हैं बुराई की। तो अब तक इस खंड का उद्देश्य, सच्चे सर्वनाशकारी अंदाज में, बेबीलोन रोम की वास्तविक प्रकृति का अनावरण और प्रदर्शन करना रहा है।

यह एक वेश्या है जो अन्य देशों को अपनी मूर्तिपूजक आर्थिक प्रथाओं में शामिल होने के लिए लुभाती है। यह अन्य देशों को अपनी संपत्ति, अत्यधिक विलासिता और अधिक की लालसा में भाग लेने के लिए प्रलोभित करता है। यह उन लोगों की हत्या करने में हिंसा का भी दोषी है जो इसका विरोध करते हैं, विशेषकर परमेश्वर के लोगों की जिन्होंने अपनी वफादार गवाही बरकरार रखी है।

यह दैवीय शक्ति और दैवीय अधिकार का अहंकार करने का दोषी है। और इन सभी कारणों से इसका अंत विनाश है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि जानवर कितना महान दिखाई देता है,

और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके सात सम्राट कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, दिन के अंत में, वह अपना विनाश लाएगा।

और इसलिए यह दर्शाता है कि क्यों बेबीलोन रोम न्याय और विनाश के लिए तैयार है। यह दर्शाता है कि अध्याय 18 क्यों, फिर विनाश क्यों। अध्याय 17 में इसका वर्णन किया गया है।

लेकिन फिर यह चर्चों को यह भी दिखाता है कि वे रोम की वास्तविक प्रकृति का खुलासा करके वास्तव में क्या या किसका सामना कर रहे हैं और इसका विरोध करने या भाग लेने में क्या दांव पर लगा है। यदि वे भाग लेना चुनते हैं, तो वे अन्य राष्ट्रों के साथ, उसके साथ व्यभिचार करने के दोषी हैं। लॉडिसिया जैसे चर्च जो आत्मसंतुष्ट और धनी हैं, या अन्य चर्च जिन्होंने समझौता कर लिया है या उन लोगों को अनुमति दे रहे हैं जिन्होंने मूर्तिपूजक, ईश्वरविहीन रोमन आर्थिक व्यवस्था से समझौता कर लिया है।

अब, यह अध्याय उन्हें याद दिलाएगा कि रोम के साथ मिलीभगत में क्या दांव पर लगा है। ऐसा क्यों है कि उन्हें अपनी वफादार गवाही बनाए रखने और उसके अनुरूप होने और समझौता करने से इनकार करने पर इतना आमादा होना चाहिए? अब अध्याय 17 ने एक बार फिर रोम को उसके असली रंग में प्रदर्शित किया है। यह एक मोहक वेश्या है, जो अपनी आकर्षक उपस्थिति और अपने आकर्षण के माध्यम से, अपने घृणित पापी स्वभाव को छुपाती है, अपने इस तथ्य को छुपाती है कि वह न्याय की ओर अग्रसर है, और राष्ट्रों को उसके साथ व्यभिचार करने के लिए प्रेरित करती है।

और यह चर्च के लिए उससे अलग होने का आह्वान है। अध्याय 18 श्लोक 4 से शुरू होगा, उससे बाहर आओ। क्यों? क्योंकि वह यह वेश्या है, जो विनाश की ओर बढ़ रही है।

तो उससे बाहर आओ। उसके पापपूर्ण आचरण में शामिल न हों ताकि आप उसके न्याय में भाग न लें। अब, यह हमें अध्याय 18 पर लाता है।

फिर अध्याय 18 में वेश्या बेबीलोन के विनाश का और अधिक विस्तार से पता चलता है। वास्तव में, हम अध्याय 17:1 में यही अपेक्षा करेंगे: क्या स्वर्गदूत ने यूहन्ना को नहीं बताया था कि वह उसे वेश्या बेबीलोन का न्याय दिखाने जा रहा है?

वास्तव में, यह वही है जो जॉन यहां बताता है, लेकिन उसने पहले ही अध्याय 17 के अंत में इसका परिचय दे दिया है। हमने कहा है कि अध्याय 17 बेबीलोन के पतन का कारण दिखाता है, लेकिन अध्याय 17 पहले ही उसके विनाश के एक संक्षिप्त संकेत के साथ समाप्त हो चुका है, कि राष्ट्र और पशु उसके विरुद्ध हो जायेंगे, और उस पर आक्रमण करके उसे नष्ट कर देंगे। इसलिए इसे अंत में अध्याय 17 श्लोक 16 में संक्षेप में संदर्भित किया गया था, लेकिन अब अध्याय 18 हमें बेबीलोन के विनाश के संबंध में अधिक विवरण देता है।

अध्याय 18 पुराने नियम के पाठ का एक अंश बनकर समाप्त होता है। पुराने नियम के पाठ आमतौर पर यिर्मयाह 50 और 51 के निर्णय दैवज्ञों से लिए गए हैं, जिन्हें हमने टायर और अन्य राष्ट्रों के संबंध में यशायाह से देखा है, और कुछ अन्य पुराने नियम के पाठ अब बेबीलोन,

बेबीलोन रोम को चित्रित करने के लिए एक साथ आते हैं। इन सभी अन्य राष्ट्रों के अवतार का, जिन्होंने न्याय का सामना किया। अध्याय 18 को पढ़ने से पहले उसके बारे में उल्लेख करने योग्य दूसरी बात यह है कि अध्याय 18 कालानुक्रमिक क्रम में अनुसरण नहीं करता है, या मुझे कहना चाहिए कि अध्याय 18 में घटनाएँ, और अध्याय 18 में अनुभाग कालानुक्रमिक क्रम में अनुसरण नहीं करते हैं।

हम एक क्षण में इस पर और अधिक विस्तार से विचार करेंगे। लेकिन इस खंड का मुद्दा यह है कि संत एक दिन बेबीलोन के पतन पर खुशी मनाएंगे क्योंकि यह उनके खून का बदला लेने और उन्हें सही ठहराने में भगवान के न्याय को दर्शाता है। और इसलिए, इस कारण से, निर्णय से बचने के लिए उन्हें इसे इससे अलग कर देना चाहिए।

इसलिए, संतों को उसके फैसले से बचने के लिए रोम में बेबीलोन से अलग होने के लिए कहा जाता है। और यदि वे ऐसा करते हैं, तो वे एक दिन बेबीलोन के पतन पर खुशी मनाएंगे क्योंकि बेबीलोन का पतन परमेश्वर के न्याय को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि ईश्वर न केवल उनका न्याय कर रहा है, बल्कि अपने लोगों को न्यायसंगत ठहरा रहा है और उनका बदला भी ले रहा है।

तो अध्याय 18, अध्याय 7 के दृष्टिकोण को जारी रखता है, लेकिन अब आप ध्यान देंगे जैसे हम इसे पढ़ते हैं, जॉन ने जो देखा उसमें बहुत कम है, और जॉन जो देखता है वह कई समूह हैं, लेकिन अध्याय 18 की मुख्य सामग्री श्रवण है विलाप का रूप और भाषण का रूप, लगभग सभी पुराने नियम से लिए गए हैं। तो, अध्याय 18 में, इसके बाद, जॉन ने अध्याय 17 देखने के बाद, अब वह इसे देखता है। इसके बाद मैंने एक और स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा।

उसके पास महान अधिकार है, और पृथ्वी उसके तेज से प्रकाशित है। वह ऊँचे शब्द से चिल्लाया, गिर गया, गिर गया महान बेबीलोन। वह दुष्टात्माओं का घर, और सब दुष्टात्माओं का अड्डा, और सब अशुद्ध और घृणित पक्षियों का अड्डा बन गई है, क्योंकि सारी जातियाँ उसके व्यभिचार की मादक मदिरा पी गई हैं।

पृथ्वी के राजाओं ने उसके साथ व्यभिचार किया, और पृथ्वी के व्यापारी उसके अत्याधिक विलासिता से धनवान हो गए। फिर मैंने स्वर्ग से एक और शब्द यह कहते हुए सुना, हे मेरे लोगों, उसमें से निकल आओ, कि तुम उसके पापों में भागी न हो, और उसकी विपत्तियों में से कुछ तुम पर न पड़े। क्योंकि उसके पापों का अंबार स्वर्ग तक पहुंच गया है, और परमेश्वर ने उसके अपराधों को स्मरण किया है।

जैसा उसने दिया है वैसा ही उसे वापस दो। उसने जो किया है उसका दुगुना बदला चुकाओ। उसे अपने ही प्याले से दुगुना भाग मिला ले।

उसे उतनी ही यातना और दुःख दो जितनी महिमा और विलासिता उसने स्वयं को दी थी। अपने दिल में, वह घमंड करती है, और यहाँ वह घमंड करती है: मैं रानी हूँ, मैं विधवा नहीं हूँ, और मैं कभी शोक नहीं करूँगी। इसलिए, एक दिन, उसकी विपत्तियाँ उस पर हावी हो जाएंगी।

वह मृत्यु, शोक, और भूख से भस्म हो जाएगी, क्योंकि यहोवा परमेश्वर उसका न्याय करनेवाला सामर्थी है। जब पृथ्वी के राजा जिन्होंने उसके साथ व्यभिचार किया और उसके सुख भोग में भाग लिया, उसके जलने का धुआं देखेंगे, तब वे उसके लिये रोएंगे और विलाप करेंगे। उसकी पीड़ा से घबराकर वे दूर खड़े होकर चिल्लाएंगे, हाय, हाय, हे महान नगर, हे बाबुल नगर, एक ही घड़ी में तेरा विनाश आ गया।

पृथ्वी के व्यापारी उसके लिये रोएंगे और विलाप करेंगे, क्योंकि अब कोई उनका माल मोल नहीं लेता। सोने, चाँदी, और कीमती पत्थरों और मोतियों के ढेर, जो कि अध्याय 17 में वेश्या को पहनाया गया था। बढ़िया लिनन, बैंगनी और रेशम, और लाल रंग का कपड़ा, वेश्या की पोशाक भी।

हर प्रकार की नीबू की लकड़ी और हाथीदांत, महंगी लकड़ी, कांसे, लोहे और संगमरमर से बनी हर प्रकार की वस्तुएं। दालचीनी और मसाला, धूप, लोहबान, लोबान, शराब और जैतून का तेल, मैदा और गेहूं, मवेशी और भेड़, घोड़े और गाड़ियाँ, और मनुष्यों के शरीर और आत्माएँ। वे कहेंगे कि जिस फल की तुम लालसा करते हो, वह तुम्हारे पास से नहीं रहा।

आपकी सारी धन-संपदा और वैभव नष्ट हो गए हैं, जो कभी वापस नहीं मिलेंगे। जिन व्यापारियों ने ये चीजें बेचीं और उससे धन कमाया, वे दूर खड़े रहेंगे। उसकी पीड़ा से भयभीत होकर, वे रोएंगे और विलाप करेंगे और चिल्लाएंगे, हाय, हाय, हे महान नगर, बढ़िया मलमल, बैंगनी और लाल रंग के कपड़े पहने हुए, सोने और बहुमूल्य पत्थरों और मोतियों से चमकते हुए।

वहाँ वे फिर से हैं। एक घंटे में इतनी बड़ी संपत्ति बर्बाद हो गयी। और तब सब समुद्री कप्तान और जहाज में यात्रा करने वाले सभी लोग, नाविक और समुद्र से अपनी जीविका कमाने वाले सभी लोग दूर खड़े रहेंगे।

और जब वे उसके जलने का धुआं देखेंगे, तो चिल्ला उठेंगे, क्या इस बड़े नगर के समान कोई नगर कभी था? वे अपने सिरों में धूल झोंकेंगे, और रोते और विलाप करते हुए चिल्ला उठेंगे, हाय, हाय, हे महान नगर, जिसके धन से समुद्र में जहाज रखनेवाले सब धनी हो गए। एक घंटे में उसे बर्बाद कर दिया गया।' हे स्वर्ग, उस पर आनन्द मनाओ।

आनन्दित रहो, संतों और प्रेरितों और पैगम्बरों। जिस तरह उसने आपके साथ व्यवहार किया है उसके आधार पर भगवान ने उसका न्याय किया है। तब एक शक्तिशाली स्वर्गदूत ने एक बड़ी चक्की के पत्थर के आकार का एक पत्थर उठाया और उसे समुद्र में फेंक दिया और कहा, ऐसी हिंसा के साथ, बेबीलोन का महान शहर नीचे फेंक दिया जाएगा, फिर कभी नहीं मिलेगा।

और वीणावादकों और संगीतकारों, बांसुरीवादकों और तुरहीवादकों का संगीत उसमें फिर कभी नहीं सुना जाएगा। किसी भी व्यवसाय का कोई कारीगर फिर कभी तुझमें न पाया जाएगा। चक्की की आवाज फिर कभी तुम में सुनाई न देगी।

दीपक की रोशनी तुम पर फिर कभी नहीं चमकेगी। दूल्हे और दुल्हन की आवाज़ तुममें फिर कभी नहीं सुनी जाएगी। आपके व्यापारी विश्व के महान व्यक्ति थे।

तेरे जादुई जादू से सारी जातियाँ पथभ्रष्ट हो गईं। उसमें भविष्यवक्ताओं और पवित्र लोगों और पृथ्वी द्वारा मारे गए सभी लोगों का खून पाया गया था।" श्लोक 4 से शुरू करते हुए, शेष अध्याय भाषणों और विलापों की एक श्रृंखला बन जाता है जो अब पद्य में आवाज से उत्पन्न होते हैं 4. यह समझना महत्वपूर्ण है कि यह खंड, जैसा कि हमने पहले ही उल्लेख किया है, मुख्य रूप से एक दृष्टि नहीं है। इसमें दूरदर्शी तत्व हैं जो इसके बाद शुरू होते हैं, और मुझे एक और देवदूत दिखाई देता है।

तो जॉन चीजों को देखता है, लेकिन जो वह देखता है वह एक देवदूत है, और जो वह देखता है वह अलग-अलग समूह और व्यक्ति हैं जो ऑडिशन देते हैं या जो विलाप और भाषणों के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन श्लोक 4 से स्वर्ग से आवाज आने लगती है जो अब शेष अध्याय की विशेषता बताएगी। और जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, मैं संक्षेप में प्रदर्शित करना चाहता हूं, मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि ऑडिशन, ये सभी ऑडिशन आवश्यक रूप से कालानुक्रमिक क्रम में नहीं हैं।

उदाहरण के लिए, श्लोक 1 से 3 तक, ये श्लोक यह मानते प्रतीत होते हैं कि बेबीलोन पहले ही गिर चुका है। और समर्थन करने के लिए, पहली बात जो मैं कहना चाहता हूं, हालांकि स्वर्गदूत ने जॉन को बेबीलोन का विनाश दिखाने का वादा किया है, वास्तव में विनाश की कोई कहानी नहीं है। अध्याय 18 वास्तव में विनाश का कोई भी विस्तार से वर्णन नहीं करता है।

यह विनाश के परिणामों और उस पर प्रतिक्रिया देने वालों को प्रदर्शित करता है। तो, यह कमोबेश विनाश को मानता है। लेकिन श्लोक 1 से 3 तक, गिर गया, गिर गया महान बेबीलोन।

वह राक्षसों का घर बन गई है। श्लोक 1 से 3 तक ऐसा प्रतीत होता है कि बेबीलोन पहले ही या बस गिर चुका है। परन्तु फिर, पद 4 में, जब यूहन्ना दूसरी आवाज सुनता है, तो मेरी प्रजा में से निकल आ, कि तू उसके पापों में भागी न हो, और उसकी विपत्तियों में से कुछ तुझे न मिले।

इससे यह प्रतीत होता है कि बेबीलोन का अभी तक पतन नहीं हुआ है। 4 से 8 तक की ये घटनाएँ बेबीलोन के पतन से पहले घटित हुई प्रतीत होती हैं। और फिर छंद 9 से 20 में बेबीलोन के पतन के बाद और उसकी प्रतिक्रिया में उन लोगों के रूप में घटनाओं का उल्लेख किया गया है जो उसके पतन के कारण विलाप करते हैं।

इसलिए अध्याय 18 का उद्देश्य कालानुक्रमिक क्रम प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि भाषणों और विलापों की श्रृंखला के माध्यम से पतन की प्रकृति की व्याख्या करना है। यह दिलचस्प है क्योंकि मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि अध्याय 18 में बेबीलोन के पतन का अनुमान लगाया गया है, फिर भी यह स्पष्ट रूप से इसका उल्लेख नहीं करता है। यह वास्तव में इसका वर्णन कभी नहीं करता।

अध्याय 18 तब यिर्मयाह 50 और 51 और बेबीलोन जैसे बुतपरस्त शहरों के खिलाफ फैसले के पुराने नियम के दैवज्ञों से निर्मित है, नीनवे या सोर के खिलाफ दैवज्ञों के रूप में, सभी अब इस बेबीलोन रोम में संयुक्त हो गए, यह महान शहर जो अब नष्ट होने वाला है। और शेष अध्याय, और

हम इसे जल्दी से आगे बढ़ाएंगे, लेकिन शेष अध्याय को विभाजित किया जा सकता है। और हम शेष अध्याय को विभिन्न आवाजों के अनुसार विभाजित करेंगे।

तो पहला अध्याय 18, 1 से 3 में है, जो श्लोक 1 से 3 पुराने नियम के भविष्यसूचक ताना गीत के रूप में है। और उदाहरण के लिए, यशायाह अध्याय 21 और पद 9। और यशायाह अध्याय 21 और पद 9, जो बेबीलोन के विरुद्ध एक गीत है। देखो, एक आदमी रथ पर घोड़ों की टोली के साथ आता है और जवाब देता है, बेबीलोन गिर गया, गिर गया, या रहस्योद्घाटन गिर गया, गिर गया बेबीलोन है।

इसके देवताओं की सभी मूर्तियाँ ज़मीन पर बिखरी पड़ी हैं। इसलिए, यशायाह 21:9 की पृष्ठभूमि को देखते हुए, मूर्तिपूजा प्रथाएँ अभी भी यहाँ ध्यान में हो सकती हैं। लेकिन बेबीलोन के पतन के परिणामस्वरूप, यह राक्षसों और सभी प्रकार के अशुद्ध जानवरों का स्थान बन गया।

फिर से, संपूर्ण विनाश और बेबीलोन के पूर्व गौरव को पूरी तरह से उलटने का प्रदर्शन। वास्तव में, एक और पुराने नियम का पाठ जो उस महान शहर के पतन का वर्णन करने में भूमिका निभाता है जो अब अंततः बर्बाद हो रहा है, यशायाह और अध्याय 34 और छंद 11 से 14 में से एक और पाठ है। यशायाह 34 राष्ट्रों के खिलाफ निर्णय की श्रृंखला में है। यशायाह 34:11-14 में।

रेगिस्तानी उल्लू, चीखता उल्लू इस पर कब्ज़ा कर लेगा। बड़ा उल्लू और कौआ वहाँ बसेरा करेंगे। परमेश्वर एदोम पर फैलाएगा, अराजकता की माप रेखा और विनाश की प्रबल रेखा। उसके सरदारों के पास राज्य कहलाने योग्य कुछ भी न होगा। उसके सभी राजकुमार गायब हो जायेंगे। उसके गढ़ों पर कांटे उग आएं।

बिछुआ और ब्रैम्बल्स गढ़ हैं। वह गीदड़ों का अड्डा और उल्लुओं का घर बन जाएगी। रेगिस्तानी जीव लकड़बग्घों से मिलेंगे।

जंगली बकरियाँ आपस में मिमियायेंगी। वहाँ रात्रिचर प्राणी भी विश्राम करेंगे और अपने लिए विश्राम के स्थान ढूँढ़ेंगे। मुझे लगता है कि पाठ की यही वह भाषा है जिसका उपयोग जॉन बेबीलोन रोम के विनाश का वर्णन करने के लिए करता है।

और कल्पना यह है कि शहर पूरी तरह से बर्बाद हो रहा है। इसे बर्बाद कर दिया गया है। यह अब अराजकता में बदल गया है।

यह अब विनाश में बदल गया है, इस तथ्य से संकेत मिलता है कि वह अब एक रेगिस्तानी बंजर भूमि है जिसमें सभी प्रकार के अशुद्ध जानवर रहते हैं, राक्षसी प्राणियों की तो बात ही छोड़ दें। और अक्सर, राक्षसी प्राणी रेगिस्तानी स्थानों से जुड़े होते थे। तो महान शहर को अब उजाड़ दिया गया है और इसका कारण श्लोक 3 में बताया गया है, जो वेश्या के रूप में या रोम के वेश्या के रूप में वर्णन पर वापस जाता है।

और पद 3 यह है, कि सारी जातियाँ उसके दाखमधु से मतवाले हो गई हैं। सभी राष्ट्रों ने बहकाकर और उसकी मूर्तिपूजक आर्थिक प्रथाओं में फँसकर उसके साथ व्यभिचार किया है। यानि कि उन्होंने रोम की आर्थिक व्यवस्था को खरीद लिया है और अब वे उसकी अत्यधिक विलासिता से मालामाल हो गये हैं।

तो आप भी इन भाषणों में जो नोटिस करेंगे वह यह नहीं है कि ये भाषण न केवल विलाप या दुःख हैं जो पुराने नियम से एक महान शहर या लोगों के पतन और न्याय को चित्रित करते हैं, बल्कि आप अध्याय 17 की ओर इशारा करते हुए यह भी पाते हैं, आप लेखक को बेबीलोन के पतन के कारणों को फिर से स्पष्ट करते हुए भी पाते हैं। यहाँ, हम पाते हैं कि रोम के पतन का कारण उसने अन्य राष्ट्रों को पैदा किया। पुनः, जॉन ने नहूम अध्याय 3 और यहां तक कि यशायाह 23 से वेश्या और व्यभिचार की भाषा का सहारा लिया है, वेश्यावृत्ति और व्यभिचार की भाषा को विदेशी देशों और विदेशी राष्ट्रों पर लागू किया है।

इसलिए रोम अन्य राष्ट्रों को अपने साथ व्यभिचार करने के लिए प्रेरित करने, अन्य राष्ट्रों को बहकाने का दोषी है। वे अब उसके अपराधों में भागीदार हैं। और यही कारण है कि बेबीलोन रोम अब सज़ा का दोषी है।

उन्होंने अपनी व्यावसायिक मूर्तिपूजा प्रथाओं में अन्य देशों को शामिल किया है। लेकिन अपने आप में, रोम को धन का उपभोग करने की लालसा, अत्यधिक विलासिता और धन रखने वाले के रूप में चित्रित किया गया है। हम पहले ही अध्याय 6 में देख चुके हैं कि रोम दोषी था, या रोम पर फैसले का हिस्सा था, मुझे लगता है, सील 3, उदाहरण के लिए, 3 या 4, सील 3, मेरा मानना है, क्या रोम दोषी था अपने लाभ के लिए, धन की अपनी लालसा के लिए और अपनी अत्यधिक विलासिता के लिए अपने स्वयं के प्रांतों का भी शोषण किया और ऐसा दूसरे प्रांतों और अन्य राष्ट्रों की कीमत पर भी किया।

मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि प्रकाशितवाक्य अध्याय 18 का अधिकांश मॉडल यिर्मयाह अध्याय 50 है, लेकिन उदाहरण के लिए, ईजेकील और ईजेकील 27 जैसे पाठ भी, जो टायर पर केंद्रित हैं। और मैंने पहले ही इसका कारण बताया है क्योंकि शायद ईजेकील अध्याय 27, जो टायर पर केंद्रित है, मुख्य रूप से टायर जेरेमिया 51 की एक आर्थिक आलोचना है, इसमें ऐसा प्रतीत नहीं होता है। ईजेकील 27 स्पष्ट रूप से टायर की निंदा करता है और टायर के आर्थिक शोषण, अत्यधिक विलासिता के लिए उस पर ध्यान केंद्रित करता है।

इसलिए यह यहाँ अध्याय 18 में बेबीलोन, रोम की जॉन की आलोचना के लिए एक उपयुक्त मॉडल प्रदान करता है। इसलिए बेबीलोन की उसके धन के आडंबरपूर्ण प्रदर्शन, अत्यधिक विलासिता और अत्यधिक उपभोग के लिए उसकी वासना और प्यास, और फिर राष्ट्रों को इसमें भाग लेने के लिए बहकाने के लिए निंदा की जाती है। वह। और इसीलिए, यही वह चीज़ है जो पहले तीन छंदों में बेबीलोन में परमेश्वर का क्रोध लाएगी।

श्लोक 4 से 8 तब परमेश्वर के लोगों के लिए उस न्याय से बचने के लिए बेबीलोन से बाहर आने का आह्वान है। और ध्यान दें कि यह वास्तव में दोहरा है। पहला, उन्हें उससे बाहर आना है ताकि वे उसके पापों में भागी न बनें, लेकिन दूसरा, ताकि वे उसकी विपत्तियों या उसके न्याय में भागी न बनें।

अब यह कॉल, यदि जॉन एशिया माइनर के लोगों या यहाँ तक कि रोम में रहने वाले लोगों से बात कर रहा है, तो यह कल्पना करना कठिन है कि पाठकों को इसे शाब्दिक रूप से पूरा करना था। असल में, अगर मैं एशिया माइनर में रह रहा हूँ, तो आप शारीरिक रूप से रोम से कैसे बाहर आएंगे? इसका साम्राज्य सर्वत्र फैला हुआ था। इसलिए, हमें शायद यह समझना था कि यह भौतिक नहीं है, लेकिन जैसा कि हमने देखा है, विशेष रूप से अध्याय 2 और 3 में, सामने आने का मतलब समझौता करने से इनकार करके काबू पाना होगा।

उसकी मूर्तिपूजक आर्थिक प्रथाओं में भाग लेने से इंकार करने से, वे इस तरह से उससे बाहर आएंगे। इसलिए रोम शहर छोड़ना कोई भौतिक मामला नहीं है, और बहुत से लोग रोम में नहीं थे, वे प्रांतों में थे। शारीरिक रूप से उससे बाहर आना लगभग असंभव था।

तो यह एक आह्वान है, यह कहने का एक और तरीका है कि समझौता करने से इनकार करें, अनुरूप होने से इनकार करें, और उसकी मूर्तिपूजक आर्थिक प्रथाओं में शामिल हों। इसके लिए पुराने नियम की पृष्ठभूमि में कई ग्रंथ हैं जो परमेश्वर के लोगों को बेबीलोन छोड़ने या बाहर आने के लिए कहते हैं। उनमें से एक पाठ में पाया जाता है जो एक प्रमुख भूमिका निभाता है, यिर्मयाह 50 और श्लोक 8, जहां हम पढ़ते हैं, बेबीलोन से भाग जाओ, बेबीलोनियों की भूमि छोड़ दो।

लेकिन एक और दिलचस्प पाठ, यशायाह अध्याय 48 और श्लोक 20, मुझे लगता है कि यही वह पाठ है जिसकी मुझे तलाश है। यशायाह 48 और श्लोक 20, बेबीलोन छोड़ो और बेबीलोनियों से भाग जाओ, यिर्मयाह अध्याय 50 की भाषा के समान है। लेकिन फिर भी, यशायाह में एक और दिलचस्प पाठ, और वह अध्याय 52 और श्लोक 11 है, जहां वह कहता है, भाग जाओ, चले जाओ, वहां से निकल जाओ, कोई अशुद्ध वस्तु मत छुओ।

यदि यह पाठ भी झूठ बोलता है, तो यशायाह अध्याय 52 और श्लोक 11, हटो, बाहर जाओ, बेबीलोन छोड़ने के लिए जॉन के आह्वान के पीछे भी झूठ है, और हमने अन्यत्र देखा है कि जॉन कभी-कभी कई पुराने नियम के ग्रंथों को जोड़ देगा, जिसमें कई ग्रंथों की ओर इशारा किया जाएगा। एक बार। यशायाह अध्याय 52, यदि आप शेष अध्याय पढ़ते हैं, तो यह एक नए पलायन के संदर्भ में है। इसलिए जॉन एक नए पलायन में अपने पाठकों से बाबुल छोड़ने का आह्वान कर रहा है जैसे इस्राएलियों ने पहले मिस्र छोड़ा था, ताकि किसी भी अशुद्ध चीज़ को न छुएं।

अब उन्हें बेबीलोन, रोम को एक नए पलायन में छोड़ना होगा, जो अंततः उन्हें उनकी वादा की गई भूमि पर ले जाएगा, जो कि प्रकाशितवाक्य 21 और 22 और नई रचना है। बेबीलोन छोड़ने के इस आह्वान की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता इसका कारण है, और वह यह है कि लेखक का कहना है, इसका कारण यह है कि उनके पाप स्वर्ग तक बढ़ गए हैं, और अब भगवान ने उनके अपराधों को याद किया है। याद रखने के उस विषय पर ध्यान दें जिसे हमने अध्याय 16 में भी देखा था, सातवीं मुहर या सातवां कटोरा, भगवान ने न्याय लाने के उद्देश्य से बेबीलोन को याद किया था।

विचार यह नहीं है कि ईश्वर भूल गया था और अचानक यह उसके दिमाग में आता है कि उसे कुछ करना है, लेकिन ईश्वर के संदर्भ में फिर से याद करने की भाषा अब बेबीलोन पर निर्णय लाने के अपने वादे को निभाने के लिए वफादार है।, रोम। लेकिन यहां जो दिलचस्प है वह दो चीजें हैं।

नंबर एक, इस भाषा पर बार-बार ध्यान दें जिसे हम पहले ही प्रकाशितवाक्य में कहीं और देख चुके हैं जो अपराध के अनुरूप फैसले के पुराने नियम से आता है।

ठीक वैसे ही जैसे एक राष्ट्र ने किया, भगवान उन्हें बदले में बदला देगा। तो आपके पास फैसले की यह कानूनी भाषा अब अपराध पर फिट बैठती है। और इसलिए, श्लोक छह में, उसे वैसे ही वापस दो जैसा उसने दिया है।

सो जिस प्रकार बाबुल अर्थात् रोम ने अन्य जातियों को बहकाकर अपने व्यभिचार में फंसाया, उसी प्रकार उस ने पवित्र लोगों को मार डाला, और हिंसा के द्वारा परमेश्वर के लोगों का लोहू बहाया, उसी प्रकार अब वह भी दी जाएगी। एक निर्णय जो अपराध पर फिट बैठता है। लेकिन ध्यान देने योग्य दूसरी बात यह है कि लेखक पहले खंडन करता हुआ प्रतीत होता है कि जब वह कहता है, उसने जो किया है उसके लिए उसे दोगुना भुगतान करें। उसे दोगुना भाग मिला लें।

और इसलिए कुछ लोगों ने सोचा है कि हम इस तथ्य से कैसे मेल खाते हैं कि लेखक ने जो किया है उसके अनुसार उसे वापस देने के लिए कहा है। लेकिन अब वह कहता है, नहीं, चलो इसे थोड़ा बढ़ा दें और उसने जो किया है उसका दोगुना उसे दें। उदाहरण के लिए, ग्रांट ओसबोर्न ने अपनी टिप्पणी में इसकी व्याख्या करते हुए कहा है कि वास्तव में, यहां जो चल रहा है वह निर्गमन 22 जैसे पुराने नियम के ग्रंथों को दर्शाता है, जहां यदि आपने कोई अपराध किया है, तो एक व्यक्ति से कई बार दोगुना भुगतान करने की उम्मीद की जाती है। उनके द्वारा किए गए अपराध के बदले में।

दूसरों ने सुझाव दिया है, और बहुसंख्यक दृष्टिकोण यह है कि यह दोहरी सज़ा, वस्तुतः दोहरी सज़ा का इतना अधिक संदर्भ नहीं है, जितना कि ईश्वर बेबीलोन और रोम को उनके अपराधों के लिए पूरी या पूरी सज़ा देगा। एक और बात जिससे मैं आकर्षित हुआ हूँ, वह यह है कि, मुझे लगता है कि यहां इसका अच्छा अर्थ है, वह यह है कि डबल शब्द का बेहतर अनुवाद समकक्ष है। यानी सज़ा एक डुप्लिकेट पैदा करती है या इसे संतुलित कर देती है।

यह लगभग वैसे ही है जैसे किसी पैमाने पर अपराध एक तरफ हो और फिर दोहरी सज़ा उसे संतुलित कर दे। तो, यह उसी बात को कहने का एक और तरीका है। अपराध या सज़ा अपराध के अनुरूप है।

यह अपराध का दोहराव है। यह इसे संतुलित करता है। इसलिए, मुझे नहीं पता कि हमें यहां दोहरे हिस्से का विचार अवश्य देखना चाहिए।

अर्थात् परमेश्वर कहता है, मैं बेबीलोन को उसके अपराध के अनुसार दण्ड दूंगा। नहीं, मुझे लगता है कि मैं इसके बजाय इसे दोगुना करने जा रहा हूँ; शायद हमें इसे समकक्ष या डुप्लिकेट के संदर्भ में अधिक देखना चाहिए। तो यह कहने का एक और तरीका है कि सज़ा अपराध के अनुरूप होगी।

और यह, जो निश्चित रूप से सजा के लिए उपयुक्त है, इस धारा के भीतर पाए जाने वाले अपराध के मूल भाव में फिट होगा। श्लोक सात और आठ फिर एक बार और, और आप इनमें से

अधिकांश भाषणों में यह पाएंगे कि श्लोक सात और आठ आगे सज़ा के कारण का वर्णन करते हैं। ऐसा क्यों है कि परमेश्वर अपराध के अनुरूप सज़ा देने जा रहा है? क्योंकि श्लोक सात और आठ, विशेष रूप से श्लोक सात का अंत, उसके दिल में, वह दावा करती है, मैं रानी के रूप में बैठती हूँ।

मैं विधवा नहीं हूँ. दूसरे शब्दों में, लेखिका अब हमें उस अपराध की याद दिला रही है जिसके लिए उसे सज़ा मिलेगी। और वह यह है कि वह परमेश्वर की अपेक्षा स्वयं की महिमा करती है।

यह, यह, उह, मैं उसके दिल में रानी के रूप में बैठती हूँ। वह दावा करती है, मैं रानी के रूप में बैठती हूँ, शायद इसका मतलब इसके विपरीत है, उह, अन्यत्र सीधे विरोधाभास और विरोध में भगवान से डरने और उसे महिमा देने का आह्वान किया गया है। अब, रोम ने खुद को भगवान के रूप में स्थापित करके उस महिमा और अधिकार का दावा करते हुए घमंड किया है जो केवल भगवान से संबंधित है, यह कहकर कि मैं रानी के रूप में बैठती हूँ, मैं अपने सिंहासन पर हूँ, उह, अब सभी चीजों पर रानी के रूप में बैठी हूँ।

लेकिन इसके अलावा, उह, उह, इसके अलावा बाकी पाठ स्पष्ट कर देगा, उह, कि उसका भी न्याय किया जाता है क्योंकि वह अत्यधिक विलासिता में रहती है और, उह, विशेष रूप से अंत में, साम्राज्य के बाकी हिस्सों की कीमत पर। तो, ध्यान दें हम यहां एक चित्र बना रहे हैं। उह, उह, रोम अत्यधिक विलासिता में रहता है।

यह स्वार्थवश अपने लिए धन संचय करते हैं। और साथ ही यह संतों पर अत्याचार करने का भी दोषी है। यह उन्हें हिंसक तरीके से मौत के घाट उतारने का दोषी है।

यह अपनी मूर्तिपूजक आर्थिक प्रथाओं के द्वारा अन्य राष्ट्रों को अपने साथ व्यभिचार करने के लिए प्रेरित करने का भी दोषी है। इसके अलावा, अब इसे स्वयं को ऊँचा उठाने, स्वयं की महिमा करने, स्वयं को ईश्वर के ऊपर स्थापित करने और दिव्य शक्ति और अधिकार को सींचने के रूप में चित्रित किया जाता है। और उन सभी कारणों से, अब, उह, भगवान बेबीलोन पर न्याय लाने जा रहे हैं।

अब श्लोक 9 से 19 के शेष खंड में हम पाते हैं कि पृथ्वी के विभिन्न लोग रोम से लाभान्वित हुए, उह, उह, क्योंकि, रोम की समृद्धि से और उसकी आर्थिक प्रथाओं से, उसकी अत्यधिक संपत्ति से और विलासिता. अब हम उन लोगों को ढूंढते हैं, उह, हम उन लोगों के समूहों को पाते हैं जो अब विलाप के गीत गा रहे हैं, विनाश का शोक मना रहे हैं और रोम के फैसले और पतन पर शोक मना रहे हैं। और कारण स्पष्ट है क्योंकि रोम के खत्म होने का मतलब उनका भी खत्म होना है।

रोम के खत्म होने का मतलब है कि अब वे उस चीज़ से कट गए हैं जिससे वे भी अमीर बने थे। तथा वे विलासिता का आधिक्य भी संचित करके रखते हैं। दूसरे शब्दों में, छंद 9 से 19 उन लोगों का भाषण होगा जिन्हें वेश्या रोम ने फिर से अपने मूर्तिपूजा आर्थिक प्रथाओं में शामिल करके उसके साथ व्यभिचार करवाया था।

जो रोम की वेश्या की मोहक संपत्ति से धनवान हो गए हैं। अब वे समूह चारों ओर खड़े हैं और एक अंतिम संस्कार शोक के रूप में वास्तव में एक अंतिम संस्कार शोक के रूप में और यहजेकेल 27 पर आधारित है, जो टायर पर एक विलाप है। अब हम इन्हें ढूंढते हैं, उह, हम, हम इन समूहों को पाते हैं जिन्हें रोम के पतन पर शोक मनाने से लाभ हुआ है क्योंकि, जैसा कि मैंने कहा है, यह उनकी विलासिता और उनकी अत्यधिक संपत्ति का स्रोत था।

और अब जब वह काट दिया गया है, तो हमें उनके विलाप की एक दिलचस्प तस्वीर मिलती है, अपने पापों पर नहीं, बल्कि वे बेबीलोन के पतन पर शोक मनाते हैं, क्योंकि ये वही लोग हैं जिन्हें बेबीलोन की अत्यधिक विलासिता में शामिल होने के लिए बहकाया गया है। और, उह, उसके साथ व्यभिचार करने के लिए बहकाया। यहजेकेल 27, उह, यहजेकेल 27 नोट करें। और केवल कुछ अंशों को पढ़ने के लिए, उह, मैं श्लोक 25 से शुरू करूंगा, उह, मैं श्लोक 25 से शुरू करूंगा।

तर्शा के जहाज आपकी लहरों, आपके माल के वाहक के रूप में काम करते हैं। तुम समुद्र के मध्य में भारी माल से भरे हुए हो। तेरे मल्लाह तुझे ऊंचे समुद्र तक ले जाएंगे, परन्तु पुरवाई तुझे समुद्र के बीच में टुकड़े टुकड़े कर डालेगी।

आपका धन, माल और सामान, आपके नाविक, नाविक, और जहाज बनाने वाले, आपके व्यापारी, और आपके सभी सैनिक और जहाज पर बाकी सभी लोग आपके जहाज के डूबने के दिन समुद्र के बीच में डूब जायेंगे। जब तेरे नाविक चिल्लाएंगे तो तट काँप उठेंगे। जितने चप्पू संभालते हैं, जो अपने जहाज छोड़ देते हैं, और मल्लाह, और सब मल्लाह किनारे पर खड़े रहेंगे।

सोर के पतन पर वे ऊंचे शब्द से चिल्लाएंगे और तुम्हारे कारण फूट-फूटकर रोएंगे। वे अपने सिरों पर धूल छिड़केंगे। हम देखेंगे कि एक समूह ऐसा करता है और राख में लोट जाता है।

वे तेरे कारण अपना सिर मुंडाएंगे, और टाट ओढ़ेंगे। वे तुम्हारे लिये मन की वेदना और घोर शोक के साथ रोएंगे। जब वे तुम्हारे लिये रोएंगे और विलाप करेंगे, तो वे तुम्हारे विषय में विलाप भी करेंगे।

समुद्र से घिरा हुआ सोर की तरह कौन कभी चुप रहा था? जब तेरा माल समुद्र में चला गया, तब तू ने बहुत सी जातियोंको तृप्त किया। तू ने अपने बड़े धन और माल से पृथ्वी के राजाओं को धनी किया। अब तुम समुद्र से चकनाचूर हो गए हो।

पानी की गहराई में, आपका सामान और आपकी सारी कंपनी समुद्र में डूब गई है। समुद्र तट पर रहने वाले सभी लोग आपसे भयभीत हैं। उनके राजा भय से कांप उठते हैं, और भय से उनके मुख विकृत हो जाते हैं।

राष्ट्रों के व्यापारी आप पर चिल्लाते हैं और आप भयानक अंत तक पहुंच गए हैं और अब नहीं रहेंगे।" अब हम देखेंगे कि जॉन उन लोगों की प्रतिक्रियाओं का मॉडल तैयार करेगा जिन्हें रोम से लाभ हुआ है। वह उन लोगों की प्रतिक्रियाओं को मॉडल करेगा जो टायर के पतन पर शोक और विलाप के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की गई क्योंकि इसी तरह टायर के साथ, राष्ट्र टायर के धन और

उनकी अत्यधिक विलासिता से समृद्ध और समृद्ध हो गए। अब, उसी तरह, जॉन बाबुल और रोम के पतन के प्रभावों का चित्रण करके वर्णन करेगा जो शोक मनाते हैं क्योंकि अब उन्हें भी रोम की संपत्ति से लाभ हुआ है, और अब जब रोम नष्ट हो गया है और उसकी संपत्ति भी नहीं रही, तो उनका भी अब विनाश निश्चित है।

और इसलिए अगले भाग में, हम अधिक विशेष रूप से तीन समूहों और रोम के पतन और विनाश पर उनके विलाप और शोक को देखेंगे।

यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक पर अपने पाठ्यक्रम में डॉ. डेव मैथ्यूसन हैं। यह सत्र 23, प्रकाशितवाक्य 17:7-18:8 है, जानवर और बेबीलोन के पतन की व्याख्या।